

प्रेषक,

कुँवर सिंह,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-२

०१ मार्च  
देहरादून: दिनांक: ~~१५.०१.२००७~~, २००७

विषय: शासनादेश संख्या २१०८/उन्तीस(२)/०५-२(१५०पे०)/२००६, दिनांक १५.०१.२००७ के बी०एम०-१५ का संशोधन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या २१०८/उन्तीस (२)/०५-२ (१५०पे०)/२००६, दिनांक १५.०१.२००७ के क्रम में आपके पत्रांक ४०९/लेखा कोषागार/ दिनांक १७.०२.०७ के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त शासनादेश दिनांक १५.०१.०७ के संलग्नक बी०एम०-१५ को निरस्त करके अब उसके साथ संलग्न उक्त बी०एम०-१५ को संशोधित कर इसके स्थान पर इस शासनादेश के साथ संशोधित संलग्न बी०एम०-१५ के अनुसार पढ़ा जाय।

२- उपरिलिखित शासनादेश दिनांक १५ जनवरी, २००७ का केवल बी०एम०-१५ इस सीमा तक ही संशोधित समझा जाय तथा इसके शेष सभी प्राविधान यथावत रहेंगे।

३- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०-२२१९/XXVII(२)/२००७ दिनांक ०७ मार्च, २००७ में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न-यथोक्त

भवदीय,

(कुँवर सिंह)  
अपर सचिव

प्र० सं० २५७/उन्तीस(२)/०५-२(१५०पे०)/२००६ तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

१. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
२. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
३. मण्डलायुक्त गढ़वाल।
४. जिलाधिकारी, देहरादून / टिहरी

5. मुख्य महाप्रबन्धक उत्तराखण्ड जल संस्थान।
6. मुख्य अभियन्ता, गढ़वाल, उत्तराखण्ड पेयजल निगम।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त(बजट सैल)/नियोजन अनुभाग/राज्य योजना आयोग उत्तरांचल।
8. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, मा0 मुख्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
9. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
10. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓11. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
(नवीन सिंह तड़ागी)  
उप सचिव  
8/3/10

पीएम-18 पुर्नविनियोग-2008-08

निम्नलिखित अधिकारी-प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम  
प्रशासनिक विभाग- पेयजल विभाग, उत्तराखण्ड शासन ।

प्राधिकार तथा लेखाधीनक	मानक मदवार अध्यावधिक स्थिति	वित्तीय वर्ष के अनुमानित व्यय	अवधि (साल/वर्ष)	लेखाधीनक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है	पुनर्विनियोग के बाद स्लॉ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्लॉ-1 में अवधि धनराशि	अनुवित्त
1	2	3	4	5	6	7	8
2215-जलपूर्ति तथा सफाई				2215-जलपूर्ति तथा सफाई			(क) केन्द्र से धनराशि प्राप्त होने के कारण बचत है। (ख) प्राधिकारिणी आय-व्ययक अधिक आवश्यकता है। के कारण।
02-मल निकासी एवं सफाई-आयोजनागत				01-जलपूर्ति-आयोजनागत			
107-मल निकासी सेवारत				101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम			
01-केन्द्रीय आयोजनागत / केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना।				05-नगरीय पेयजल 03-नगरीय पेयजल योजनाओं का पुनर्गठन / जीर्णोद्धार / सुदृढीकरण हैतु अनुदान।			
05-गंगा कार्ययोजना (70 प्रतिशत कोष0)				20-सहायक अनुदान / अशदान / राज सहायता			
अतिरिक्त कार्य।				3595 (ख)	69195	18608	
20-सहायक अनुदान / अशदान राजसहायता				3595	69195	18608	
योग:-	22203	-	22203				

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट में अनुदान के परिच्छेद 150,151,155,156 में उल्लिखित सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

(कुंवर सिंह)  
अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन  
वित्त अनुभाग-2  
संख्या: 2219 (क) XXVII-(2) / 2007  
दिनांक: 07 मार्च, 2007  
देहरादून

पुनर्विनियोग स्वीकृत  
(टी0एम0सिंह)  
अपर सचिव वित्त

सेवा में

महालेखाकार,  
उत्तराखण्ड, देहरादून ।

संख्या 2473(क)/उत्तीस/08-2-(150 पे0)/2006, तद दिनांक  
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1-कोषाधिकारी, देहरादून ।
- 2- वित्त अनुभाग-2
- 3-जिलाधिकारी, देहरादून ।

आज्ञा से  
(कुंवर सिंह)  
अपर सचिव